GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 01:05 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:55 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:33 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:24 PM GMT +05:30
Google

श्री अग्रसेन कन्या पीजी० कॉलेज, वाराणसी
GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 11:52 AM GMT +05:30
Google

श्री अग्रसेन कन्या पीजीटी कॉलेज, वाराणसी
GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 11:47 AM GMT +05:30
Google

श्री अग्रसेन कन्या पी०जी० कॉलेज,वाराणसी
अनुभूति
अग्रसेन कन्या पी०जी० कॉलेज
GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:05 PM GMT +05:30
Google

स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसेन महाविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान : मृदुला जायसवाल

परफेक्ट मिशन

वाराणसी। अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज बुलानाला वाराणसी में रविवार को पुरातन छात्रा समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व महापौर मृदुला जायसवाल व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो.नीलम अत्रि बीएचयू, जिला सूचना अधिकारी जौनपुर मनोकामना राय, प्रवक्ता डा.संगीता, प्रबन्धक डा.मधु अग्रवाल,सहायक मंत्री रूबी शाह, उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विद्यालय की प्राचार्य मिथलेश सिंह के द्वारा मां सरस्वती और महाराज अग्रसेन जी के प्रतिमा पर संयुक्त रूप से माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कराया गया।

प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व महापौर मृदुला जायसवाल ने अपने स्वर्णिम स्मृतियों को साझा करते हुए कहा यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश का प्रथम स्वायत्तशासी महाविद्यालय है जिसने स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अन्दर भी राजनीतिक चेतना का सृजन इसी विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करते हुए हुआ था। प्रोफेसर मिथलेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवतुल्य होते हैं किंतु आज की इस कार्यक्रम की अतिथि महाविद्यालय के पुरातन विद्यार्थी भी हैं। पुरातन का संबंध केवल अतीत से नहीं होता बल्कि इस पर वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई। महाविद्यालय की कल से आज तक की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र भी दिखाया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा.मधु अग्रवाल ने संचालन प्रो. आभा सक्सेना ने तथा धन्यवाद ज्ञापित सचिव मंजरी श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रो. अनीता सिंह, डॉ. श्रृंखला, डॉ. नंदिनी पटेल, डॉ उषा चौधरी, डॉ. सीमा अग्रवाना, डॉक्टर वंदना, उपाध्यक्ष डॉ विभा सिंह, डॉ. शिवानी शुक्ला, चेतना गुजराती, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट उषा बालवंदानी, डॉक्टर दिव्या राय, माधुरी समेत अन्य प्रवक्ता व पुरातन छात्रायें उपस्थित रहीं।

का दावा अधिकारी भले ही कर रहे हैं, लेकिन उनका यह दावा हवा हवाई साबित हो रहा है। हकीकत यह है कि ग्रामीण इलाकों में तो बिजली की आंखमिचौली जारी ही है, शहरी इलाकों

तीन खंभों के बीच से हाईटेंशन बिजली के तार चोरी

बरनी उपकेंद्र के रामेश्वर कृषि फीडर से संबंधित तीन खंभों के बीच से हाईटेंशन बिजली के तार रविवार

संजय के नेतृत्व में समिति जांच करेगी।

बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए निगम ने बिजली के तारों को अंडरग्राउंड कर दिया, लेकिन अब फॉल्ट ढूंढने में पसीने छूट रहे हैं।

स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसेन महाविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान : मृदुला जायसवाल, पूर्व महापौ

वाराणसी (कालभैरव)। श्री अग्रसेन कन्या पी .जी. कॉलेज, में पुरातन छात्रा समागम के अंतर्गत अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती तथा महाराज श्री अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप

ज्जवलन से हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना कुलगीत, स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवतुल्य होते हैं किंतु आज के इस कार्यक्रम के अतिथि महाविद्यालय के पुरातन विद्यार्थी भी हैं। पुरातन का संबंध केवल अतीत से नहीं होता बल्कि इस पर वर्तमान एवं भविष्य निर्भर करता है इसीलिए पुरातन छात्राएं महाविद्यालय की नींव है। समय एक लम्हा है जब हम अर्से बाद कॉलेज में लौटते हैं उसकी स्मृतियां हमारे अंदर अनुभूति जाग्रत करती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जयसवाल, पूर्व महापौर वाराणसी, विशिष्ट अतिथि प्रो नीलम अत्री, वनस्पति विभाग का. हि. वि. वाराणसी, सुश्री मनोकामना राय, जिला सूचना अधिकारी जौनपुर, डॉ संगीता, वक्ता पं. कमलापति त्रिपाठी राजकीय पी .जी. कॉलेज चंदौली का स्वागत प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री डॉ रूबी शाह, प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया। डॉ मीना अग्रवाल एवं डॉ अर्चना सिंह ने अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। प्रबंध तंत्र की सहायक मंत्री डॉ रूबी शाह ने कहा कि महाविद्यालय ५० वर्ष पूर्ण करने के साथ ही इस बात पर भी गौरवान्वित है कि आज उसकी अनेक पुरातन छात्राएं विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जायसवाल ने अपने स्वर्णिम स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश का प्रथम स्वायत्तशासी महिला महाविद्यालय है जिसने स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अंदर भी राजनीतिक चेतना का सृजन इसी महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करते हुए हुआ था। महिलाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं को सशक्त समझिए कार्यक्षेत्र कोई भी हो लेकिन अपनी पहचान अवश्य होनी चाहिए। समाज में स्त्री और पुरुष का सम्मान समान होना चाहिए और इसके लिए हम सभी को लगातार प्रयास करना है। विशिष्ट अतिथियों के क्रम में प्रो. नीलम अत्री ने कहा कि कभी भी किसी संस्था को ग्रेड वाइज नहीं देखना चाहिए, शिक्षा हर जगह समान है, शिक्षक हर जगह समान है आप उससे क्या ग्रहण करते हैं यह महत्वपूर्ण है। सफलता का मूल मंत्र है कर्मठता एवं सच्ची लगन। डॉ निलय कुमार सिंह ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि समाज में अच्छे लोगों के न मिलने का सबसे बड़ा कारण है नैतिकता का अभाव। शैक्षिक संस्थाएं विद्यार्थी में नैतिकता का विकास करती है और सर्व कल्याणकारी भावना का सृजन करती है। डॉ संगीता ने कहा कि गुरु आपका मार्गदर्शन होता है यदि वह आपको मिल जाए तो आपका जीवन सफल हो जाता है। शिक्षक से यदि हम कुछ ग्रहण करते हैं तो जीवन में सफलता निश्चित है। सुश्री मनोकामना राय ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि एल आई सी की पॉलिसी होती है 'जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी' किसी भी विद्यार्थी के जीवन में शैक्षणिक संस्था भी वैसी ही होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल ने की और कहा कि संस्था एक मापदंड होती है, जो एक समय पर रुक कर पीछे देखती है कि उसने क्या उपलब्धि हासिल की है। और इस उपलब्धि में उस संस्था के विद्यार्थियों का अमूल्य योगदान होता है। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की कल से आज तक की विकास यात्रा पर आधारित चलचित्र भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. आभा सक्सेना ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की सचिव डॉ मंजरी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रो. अनीता सिंह, डॉ. शंखलता, डॉ. नंदिनी पटेल, डॉ उमा चौधरी, डॉ सीमा अस्थाना, डॉ. वंदना उपाध्याय डॉ. विभा सिंह, डॉ शिवानी शुक्ला, श्रीमती चेतना गुजराती, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, ले.उमा बालचंदानी डॉ. दिव्या राय तथा श्रीमती माधुरी इत्यादि अनेक प्रवक्तागण एवं पुरातन छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसेन महाविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान- मृदुला जायसवाल

वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पी. जी. कॉलेज, वाराणसी में दिनांक 23.06. 2024 को पुरातन छात्रा समागम के अंतर्गत अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती तथा महाराजा श्री अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, कुलगीत, स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवतुल्य होते हैं किंतु आज के इस कार्यक्रम के अतिथि महाविद्यालय के पुरातन विद्यार्थी भी हैं। पुरातन का संबंध केवल अतीत से नहीं होता बल्कि इस पर वर्तमान एवं भविष्य निर्भर करता है इसीलिए पुरातन छात्राएं महाविद्यालय की नींव है। समय एक सा रहता है जब हम अपने कॉलेज में लौटते हैं उसकी स्मृतियां हमारे अंदर अनुभूति जागृत करती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जायसवाल, पूर्व महापौर वाराणसी, विशिष्ट अतिथि प्रो० सीमा आर्य, वनस्पति विभाग, का. हि. वि. वाराणसी, सुश्री मनीषा राय, जिला सूचना अधिकारी जौनपुर, डॉ. संगीता, प्रवक्ता, प० कमलापति त्रिपाठी राजकीय पी. जी. कॉलेज चंदौली का स्वागत प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री डॉ मंजरी शाह, प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया। डॉ सीमा अग्रवाल एवं डॉ अर्चना सिंह ने अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। प्रबंध तंत्र की सहायक मंत्री डॉ मंजरी शाह ने कहा कि महाविद्यालय 50 वर्ष पूर्ण करने के साथ ही इस बात पर भी गौरवान्वित है कि आज इसकी अनेक पुरातन छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जायसवाल ने अपने छात्रीय स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश का प्रथम स्वायत्तशासी महिला महाविद्यालय है जिसने स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अंदर भी राजनीतिक चेतना का सृजन इसी महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करते हुए हुआ था। महिलाओं को प्रेरित देते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं को सशक्त सामाजिक कार्यक्षेत्र कोई भी हो लेकिन अपनी पहचान अवश्य होनी चाहिए। समाज में स्त्री और पुरुष का सम्मान समान होना चाहिए और इसके लिए हम सभी को लगातार प्रयास करना है। विशिष्ट अतिथियों के क्रम में प्रो. सीमा आर्य ने कहा कि कभी भी किसी संस्था की रीढ़ बाहर नहीं देखना चाहिए, शिक्षा का जगत समान है, शिक्षक हर जगह समान है आप उनसे क्या ग्रहण करते हैं यह महत्वपूर्ण है। सफलता का मूल मंत्र है कर्मठता एवं अच्छी लगन। डॉ शिल्पा कुमार सिंह ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि समाज में अच्छे लोगों के न मिलने का सबसे बड़ा कारण है नैतिकता का अभाव। शैक्षिक संस्थाएं विद्यार्थी में नैतिकता का विकास करती है और सभी कल्याणकारी भावना का सृजन करती है। डॉ संगीता ने कहा कि गुरु आपका मार्गदर्शन होता है यदि वह आपको शिक्षा आप भी आपका जीवन सफल हो जाता है। शिक्षक से यदि हम कुछ ग्रहण करते हैं तो जीवन में सफलता निश्चित है। सुश्री मनीषा राय ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि एक आई की जो परिभाषा होती है जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी किसी भी विद्यार्थी के जीवन में शैक्षणिक संस्था भी वैसी ही होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल ने की और कहा कि संस्था एक माध्यम होती है, जो एक समय पर रुक कर पीछे देखती है कि उसने क्या उपलब्धि हासिल की है। और इस उपलब्धि में इस संस्था के विद्यार्थियों का अमूल्य योगदान होता है। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की जन्म से आज तक की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कार्यक्रम की संयोजक प्रो. अर्चना श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की सचिव डॉ मंजरी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रो अर्चना सिंह, डॉ. पूनम, डॉ. अदिति पटेल, डॉ उषा चौधरी, डॉ सीमा अग्रवाल, डॉ वंदना उपाध्याय, डॉ शिखा सिंह, डॉ शिवानी शुक्ला, श्रीमती चेतना गुजराती, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, श्री तथा कामना, डॉ. दिव्या राय तथा श्रीमती माधुरी इत्यादि अनेक प्राध्यापक एवं पुरातन छात्राएं उपस्थित रहीं।

नशेडी पत्नी से तंग पति ने लगाई फांसी

विवाहिता ने अपने पति महेंद्र द्वार

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के

B2
GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:24 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 12:33 PM GMT +05:30
Google

अग्रसेन कन्या पी०जी० कॉलेज
GPS Map Camera
Parmanandpur, Uttar Pradesh, India
9X95+PGW, Holapur, Chhataripur, Parmanandpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36963°
Long 82.959282°
23/06/24 01:24 PM GMT +05:30
Google
अनुभूति

प्रशिक्षु छात्राओं ने अपने - अपने उद्गार व्यक्त किए।
कार्यक्रम का सुंदर संचालन कार्यक्रम की समन्वयक
प्रो० आभा सक्सेना ने किया तथा अन्त में स्वल्पाहार
एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम सचिव डॉ० मंजरी
श्रीवास्तव ने किया।

महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अंदर की राजनैतिक चेतना का सृजन इसी महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करते हुए हुआ था। महिलाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि स्त्रियों को स्वतन्त्र रूप से कार्यक्षेत्र कोई भी हो लेकिन उनकी पहचान अवश्य होनी चाहिए। समाज में स्त्री और पुरुष का सम्मान समान होना चाहिए और इसके लिए हम सभी को लगातार प्रयास करना है।

विशिष्ट अतिथियों के क्रम में प्रो० नीलम अली ने कहा कि कभी भी किसी संस्था को ग्रेड वाइज नहीं देखना चाहिए शिक्षा हर जगह समान है, शिक्षक हर जगह समान है। आप उनसे क्या ग्रहण करते हैं यह महत्वपूर्ण है। सफलता का मूल मंत्र है कठिन एवं सच्ची लगन। डॉ० निरंजन कुमार सिंह ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि समाज में अच्छे लोगों का न मिलने का सबसे बड़ा कारण है नैतिकता का अभाव। शैक्षिक संस्थाएं विद्यार्थी में नैतिकता का विकास करती है और सकारात्मक मानव का सृजन करती है। डॉ० संगीता ने कहा कि गुरु आपका मार्गदर्शन होता है यदि वह आपको मिल जाए तो आपका जीवन सफल हो जाता है। शिक्षक से यदि हम कुछ ग्रहण करते हैं तो सफलता निश्चय है।

श्री मनमोहन राय ने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा कि एल. आर. टी. की पॉलिसी में होती है "जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी" किसी भी विद्यार्थी के जीवन में शैक्षणिक संस्था भी वैसी ही होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० मधु अग्रवाल ने की और कहा कि संस्था एक कैलेंडर होती है, जो एक समय के बाद पीछे देखती है कि उसने क्या उपलब्धि हासिल की है और इस उपलब्धि में उस संस्था के विद्यार्थियों का अमूल्य योगदान होता है। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

महाविद्यालय की कल से आज तक की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर दूर दराज से आये

पुरातन छात्रा कोरम
सत्र 2023-2024 (विवरण[illegible])

पुरातन छात्रा समागम
"अनुभूति, 2024"
दिनांक : 23.06.2024

दिनांक 23.06.2024 को श्री अग्रसेन कन्या पी. जी. कॉलेज, में पुरातन छात्रा समागम के अन्तर्गत "अनुभूति, 2024" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती तथा महाराज श्री अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, कुलगीत, स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवतुल्य होते हैं किन्तु आज के इस कार्यक्रम के अतिथि महाविद्यालय की पुरातन विद्यार्थी भी हैं। पुरातन का संबंध केवल अतीत से नहीं होता बल्कि इस पर वर्तमान एवं भविष्य निर्भर करता है इसीलिए पुरातन छात्राएं महाविद्यालय की नींव हैं। समय एक जगह से जब हम अपने घर कॉलेज में लौटते हैं उसकी स्मृतियां हमारे अंदर अनुभूति उत्पन्न करती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जायसवाल, पूर्व महापौर वाराणसी, विशिष्ट अतिथि प्रो. नीलम अत्री, [illegible] विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, सुश्री मनोकामना राय, जिला सूचना अधिकारी जौनपुर, डॉ० सुनीता शुक्ला पं. कमलापति त्रिपाठी राजकीय पी. जी. कॉलेज चंदौली का स्वागत प्रबंधक डॉ० मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री डॉ० रश्मि शाह, प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया। डॉ० नीरज अग्रवाल एवं डॉ० प्रियंका सिंह ने अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। प्रबंधतंत्र की सहायक मंत्री डॉ० रश्मि शाह ने कहा कि महाविद्यालय 50 वर्ष पूर्ण करने के साथ ही इस बात पर भी गौरवान्वित है कि आज उसकी अनेक पुरातन छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जायसवाल ने अपने स्वर्णिम स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश का प्रथम स्वायत्त- शीर्ष महिला महाविद्यालय है जिसने नारी शिक्षा के क्षेत्र में